हरतालिका तीज मां पार्वती आरती

Hartalika Teej Mata Parvati Aarti

जय पार्वती माता, जय पार्वती माता
ब्रह्म सनातन देवी, शुभ फल की दाता

जय पार्वती माता...

अरिकुल पद्मा विनासनी जय सेवक त्राता
जग जीवन जगदम्बा हरिहर गुण गाता

जय पार्वती माता...

सिंह को वाहन साजे कुंडल है साथा
देव वधु जहं गावत नृत्य कर ताथा

जय पार्वती माता...

सतयुग शील सुसुन्दर नाम सती कहलाता
हेमांचल घर जन्मी सखियन रंगराता

जय पार्वती माता...

शुम्भ-निशुम्भ विदारे हेमांचल स्याता
सहस भुजा तनु धरिके चक्र लियो हाथा

जय पार्वती माता...

सृष्टि रूप तुही जननी शिव संग रंगराता
नंदी भृंगी बीन लाही सारा मदमाता

जय पार्वती माता...

देवन अरज करत हम चित को लाता
गावत दे दे ताली मन में रंगराता

जय पार्वती माता...

श्री प्रताप आरती मैया की जो कोई गाता
सदा सुखी रहता सुख संपति पाता

जय पार्वती माता...।

.....

शिव जी की आरती

(Hartalika Teej Shiv Ji Ki Aarti)

ॐ जय शिव ओंकारा, प्रभु हर शिव ओमकारा
ब्रह्मा विष्णु सदाशिव, ब्रह्मा विष्णु सदाशिव
अर्द्धांगी धारा
ॐ जय शिव ओमकारा

एकानन चतुरानन पञ्चानन राजे, स्वामी पञ्चानन राजे
हंसासन गरूड़ासन, हंसासन गरूड़ासन
वृषवाहन साजे
ॐ जय शिव ओमकारा

दो भुज चार चतुर्भुज दसभुज अति सोहे, स्वामी दसभुज अति सोहे
तीनो रूप निरखता, तीनो रूप निरखता
त्रिभुवन जन मोहे
ॐ जय शिव ओमकारा

अक्षमाला वनमाला मुण्डमाला धारी, स्वामी मुण्डमाला धारी
त्रिपुरारी कंसारी, कंचन बिन मन चंगा
कर माला धारी
ॐ जय शिव ओमकारा

श्वेताम्बर पीताम्बर बाघम्बर अंगे, स्वामी बाघम्बर अंगे
सनकादिक ब्रम्हादिक, ब्रम्हादिक सनकादिक
भूतादिक संगे
ॐ जय शिव ओमकारा

कर के मध्य कमण्डलु चक्र त्रिशूलधारी, स्वामी चक्र त्रिशूलधारी
जगहर्ता जगकर्ता, जगहर्ता जगकर्ता
जगपालन कारी
ॐ जय शिव ओमकारा

ब्रह्मा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका, स्वामी जानत अविवेका
प्रानवाक्षर के मध्ये, प्रानवाक्षर के मध्ये
ये तीनो के धार
ॐ जय शिव ओमकारा

त्रिगुणस्वामी जी की आरति जो कोइ नर गावे, स्वामी जो कोइ नर गावे
कहत शिवानन्द स्वामी, कहत शिवानन्द स्वामी
मनवान्छित फल पावे
ॐ जय शिव ओमकारा

जय शिव ओमकारा प्रभु हर शिव ओमकारा
ब्रह्मा विष्णु सदाशिव ब्रह्मा विष्णु सदाशिव
अर्द्धांगी धारा
ॐ जय शिव ओमकारा